विडंबना

पीने के पानी को तरस रहा सलवाह, तपती गर्मी में बूंद-बूंद को मोहताज हुए ग्रामीण, प्रशासनिक अनदेखी से फूटा जनता का आक्रोश

रेत के डंपर बुझा रहे ग्रामीणों की प्यास

घुघरी, नवभारत। 21वीं सदी के आधुनिक भारत और विकास के ऊँचे दावों के बीच मंडला जिले के विकासखंड घुघरी के ग्राम सलवाह से मानवता को शर्मसार करने वाली तस्वीरें सामने आ रही हैं। यहाँ भीषण गर्मी और तपती धूप के बीच ग्रामीण एक-एक बाल्टी पानी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि ग्रामीण अपनी प्यास बुझाने के लिए अब रेत लेकर गुजरने वाले डंपरों के भरोसे टिके हैं।

ग्राम सलवाह के ग्रामीणों ने व्यथा सुनाते हुए बताया कि गांव में जलस्तर गिरने और सरकारी नल-जल योजनाओं के ठप होने से पीने के पानी का भारी संकट खड़ा हो गया है। मजबूरी का आलम यह है कि ग्रामीण सड़क पर खड़े होकर गीली रेत लेकर निकलने वाले डंपरों को रोकते हैं। इन डंपरों की बॉडी से रिसने वाले गंदे पानी को ग्रामीण बर्तनों में जमा करते हैं और उसी से अपना गुजारा कर रहे हैं। यह दृश्य न केवल हृदयविदारक है, बल्कि प्रशासन के लिए एक बड़ी चेतावनी भी है।

सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायतें हो रहीं बेअसर

ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस समस्या को लेकर ग्राम पंचायत से लेकर सीएम हेल्पलाइन तक गुहार लगाई है, लेकिन समाधान के नाम पर अब तक केवल आश्वासन ही मिला है। नेताओं और मंत्रियों के हर घर जल के वादे यहाँ की जमीनी हकीकत से कोसों दूर नजर आ रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की चुप्पी और लापरवाही ने ग्रामीणों के सब्र का बांध तोड़ दिया है, जिससे क्षेत्र में भारी आक्रोश व्याप्त है।

प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

क्या एक सभ्य समाज में बुनियादी जरूरत के लिए भी ग्रामीणों को डंपर चालकों की दया पर निर्भर रहना पड़ेगा? डंपरों के पीछे भागते बच्चे और महिलाएं यह सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर उनकी सुध लेने वाला कोई क्यों नहीं है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन ने तत्काल हस्तक्षेप कर पानी के टैंकरों या अन्य वैकल्पिक व्यवस्थाओं का प्रबंध नहीं किया, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

बाल कटवाने की समझाइश पर पिता की हत्या

कलयुगी बेटे ने उजाड़ा अपना ही घर, शव को कमरे में छिपाकर भाइयों को दी मौत की झूठी सूचना

नैनपुर, नवभारत। नैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चिचोली से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक बेटे ने महज बाल कटवाने की मामूली बात पर हुए विवाद के चलते अपने ही पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी पुत्र को हिरासत में ले लिया है।

जानकारी अनुसार मृतक पूसाम सैयाम (53 वर्ष) और उनके बेटे अज्जू सैयाम (23 वर्ष) के बीच विगत दिवस विवाद शुरू हुआ था। पिता ने बेटे को बाल कटवाने और मर्यादित तरीके से रहने की सलाह दी थी, जो अज्जू को नागवार गुजरी। विवाद इतना बढ़ा कि शाम करीब 5 बजे आरोपी बेटे ने आवेश में आकर पिता के सिर पर डंडे से जोरदार हमला कर दिया। चोट इतनी गंभीर थी कि पूसाम सैयाम की मौके पर ही मौत हो गई।

भाइयों को दी गलत सूचना

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने घबराहट में पिता के शव को कमरे के अंदर ही छिपा दिया। अगले दिन गुरुवार सुबह आरोपी ने बाहर मजदूरी करने गए अपने दो अन्य भाइयों को सूचना दी कि पिता की अचानक मौत हो गई है। हालांकि जब भाई घर पहुँचे और पिता के शरीर पर चोट के निशान देखे, तो उन्हें मामला संदिग्ध लगा और पुलिस को सूचना दी गई।

आरोपी हिरासत में, जांच जारी

पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल नैनपुर में कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस घटना से पूरे ग्राम चिचोली में मातम और सन्नाटा पसरा हुआ है।

पुलिस की सख्ती के आगे टूटा आरोपी

घटना की जानकारी मिलते ही नैनपुर थाना प्रभारी बलदेव मुजाल्दा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुँचे। शुरुआती पूछताछ में आरोपी अज्जू पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन कड़ी पूछताछ में वह टूट गया और अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि पिता अक्सर उसे छोटी-छोटी बातों पर टोकते थे, जिससे वह नफरत करने लगा था।

आस्था के आगे बौनी साबित हुई भीषण गर्मी

दंडवत परिक्रमा करते हुए घुघरी पहुंचे नर्मदा साधक, उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

घुघरी। माँ नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा और समर्पण का एक विरल उदाहरण इन दिनों घुघरी क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। पारा 40 डिग्री के पार होने और झुलसा देने वाली गर्म हवाओं के बावजूद, एक साधक दंडवत परिक्रमा के माध्यम से माँ नर्मदा की कठिन साधना में लीन हैं। उनकी यह अदम्य इच्छाशक्ति और भक्ति देख हर कोई नतमस्तक है।

नर्मदा परिक्रमा को वैसे ही संयम का मार्ग माना जाता है, लेकिन दंडवत परिक्रमा शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की सबसे कठिन परीक्षा होती है। इसमें साधक मार्ग के हर कदम पर लेटकर साष्टांग प्रणाम करते हैं और फिर जहाँ तक हाथ पहुँचता है, वहाँ निशान लगाकर आगे बढ़ते हैं। तपती सड़क पर इस तरह की साधना करना रूह कपा देने वाला अनुभव है, जिसे यह साधक पूरी तन्मयता से निभा रहे हैं। जानकारी अनुसार साधक 15 मई की सुबह लगभग 9 बजे घुघरी के प्रसिद्ध त्यागी चौक पहुँचे। जैसे ही उनके आगमन की सूचना मिली स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों ने जगह-जगह उनके लिए शीतल जल, फल और विश्राम की व्यवस्था की।

आध्यात्मिक प्रेरणा का केंद्र बनी यात्रा

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आज के भौतिकवादी युग में ऐसी निस्वार्थ और कठिन भक्ति विरले ही देखने को मिलती है। साधक की तपस्या को देखकर मार्ग में पड़ने वाले गांवों के लोग भाव-विभोर हो रहे हैं। श्रद्धालुओं ने न केवल उनके दर्शन किए, बल्कि उनकी इस यात्रा को आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करने वाला बताया। साधक बिना किसी थकान के निरंतर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं, जो क्षेत्र में चर्चा और श्रद्धा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित

मंडला। स्वास्थ्य विभाग में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सीएमएचओ डॉ. धरित्री जे मोहन्ती की अध्यक्षता में विभागीय संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और विभागीय प्रकरणों पर एजेंडावार विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष शरद मेश्राम, अजाकस जिलाध्यक्ष गजराज मरावीं, कर्मचारी कांग्रेस जिलाध्यक्ष राधे लाल नरेटी, लघु वेतन कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष मित्री लाल यादव सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि अनिल भोयर, विनीत परिहास, नरेश श्रीवास, विनोद चौरसिया और अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्रेक फेल होने से बिछिया में मौत बनकर दौड़ी बेकाबू बस

आधा किलोमीटर तक रिवर्स में भागता रहा वाहन, बिजली लाइन से टकराकर गड्ढे में गिरी बस, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

भुआबिछिया, नवभारत। जिले के बिछिया नगर के साईं तिराहा क्षेत्र में गुरूवार रात्रि को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर मौत बनकर दौड़ने लगी। ब्रेक फेल होने के कारण आकाश बस लगभग आधा किलोमीटर तक उल्टी दिशा (रिवर्स) में तेज रफ्तार से दौड़ती रही। सड़क पर भारी भीड़ होने के बावजूद ड्राइवर की सूझबूझ से एक बड़ी जनहानि टल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि साईं तिराहा के पास बस का अचानक ब्रेक फेल हो गया था। ढलान और तकनीकी खराबी के चलते बस पीछे की ओर तेज रफ्तार से भागने लगी। व्यस्त सड़क होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों के बीच चीख-पुकार मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। बस चालक ने हिम्मत नहीं हारी और लगातार हॉर्न बजाते हुए बस को नियंत्रित करने का प्रयास किया ताकि कोई इसकी चपेट में न आए। अनियंत्रित होकर करीब 500 मीटर पीछे भागने के बाद बस कल्याण आश्रम के पास एक मोड़ पर बिजली की मुख्य लाइन के पोल से टकरा गई। टक्कर के बाद बस सड़क किनारे बने एक गहरे गड्ढे में जा गिरी, जिससे उसकी रफ्तार थम गई। गनीमत यह रही कि बिजली का तार टूटने के बावजूद कोई बड़ी आगजनी या करंट की घटना नहीं हुई।

खाली थी बस, सुरक्षित बचे आसपास के लोग

हादसे के समय सबसे राहत की बात यह रही कि बस में कोई यात्री सवार नहीं था। बस खाली होने और सड़क पर ड्राइवर द्वारा सावधानी बरतने के कारण किसी भी राहगीर को चोट नहीं आई। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों का हुजूम जमा हो गया। नगरवासियों ने बस चालक की जांबाजी की प्रशंसा की, जिसने अपनी जान जोखिम में डालकर नगर में एक भीषण सड़क दुर्घटना होने से बचा ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गिट्टी खदान के गहरे गड्ढे में डूबने से 7 वर्षीय मासूम की मौत

रामनगर। मंडला जिले के रामनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चौगान में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ गिट्टी खदान के पानी से भरे एक गहरे गड्ढे में डूबने से एक 7 वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और ग्रामीणों में खदान प्रबंधन की लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है।

जानकारी अनुसार क्षेत्र में भीषण गर्मी के चलते गांव के कुछ बच्चे पास ही स्थित गिट्टी खदान में जमा पानी में नहाने गए थे। बताया गया कि खदान में खुदाई के कारण लगभग 100 फीट गहरा गड्ढा बन गया था, जिसमें बारिश और भू-जल का पानी भरा हुआ था। नहाते समय मासूम बच्ची का संतुलन बिगड़ गया और वह अचानक गहरे पानी में चली गई। साथ मौजूद बच्चों के शोर मचाने पर परिजन और ग्रामीण मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक बच्ची गहरे पानी में समा चुकी थी।

पुलिस ने बरामद किया शव

घटना की सूचना मिलते ही हृदयनगर पुलिस चौकी का अमला बल सहित मौके पर पहुँचा। पुलिस ने ग्रामीणों की सक्रिय मदद से कड़ी मशक्कत के बाद बच्ची के शव को पानी से बाहर निकाला। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

ग्रामीणों ने खदान संचालक पर मढ़ा लापरवाही का आरोप

सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर उठे सवाल

ग्रामीणों ने इस मौत के लिए सीधे तौर पर खदान संचालक और ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराया है। ग्रामीणों का आरोप है कि खदान में 100 फीट गहरा जानलेवा गड्ढा होने के बावजूद वहां न तो कोई सुरक्षा घेरा बाउंड्री बनाया गया था और न ही कोई चेतावनी बोर्ड लगाया गया था। आबादी क्षेत्र के समीप इस तरह गहरे गड्ढों को खुला छोड़ना सुरक्षा नियमों का खुला उल्लंघन है। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषी खदान संचालक पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजे की मांग की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीणों ने ली शपथ

धनवाही में गूंजा जल संरक्षण का संदेश

बीजाडांडी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बीजाडांडी के तत्वावधान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम धनवाही में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। 19 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत नवांकुर संस्था प्रमुख श्री जगत सिंह परते के निवास पर ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक राजेन्द्र चौधरी ने जल के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने शासन की विभिन्न जल कल्याणकारी योजनाओं के साथ आगामी मानसून सत्र में सघन पौधारोपण कार्यक्रम और सीएमसीएलडीपी कक्षाओं में प्रवेश संबंधी विषयों पर भी चर्चा की।

सामूहिक प्रयास से बचेगा पानी-कार्यक्रम के दौरान विकासखंड समन्वयक मंजुलता पांडेय और परामर्शदाता आदित्य मिश्रा ने ग्रामीणों को सामाजिक सरोकारों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। नवांकुर संस्था प्रमुख हरिलाल परते चरगांवमाल सहित समिति के पदाधिकारियों ने आगामी कार्ययोजना साझा की। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी वरिष्ठ नागरिकों, सदस्यों और ग्रामवासियों को सामूहिक रूप से जल संरक्षण और स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। परिषद की टीम ने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं जल बचाएं, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित करें।

प्रशासन की सख्ती बेअसर, खेतों में फिर धधकी नरवाई

पदमी और अमगवां क्षेत्र में कार्रवाई के बाद भी लापरवाही जारी

पदमी। जिले में नरवाई जलाने की कुप्रथा प्रशासनिक चेतावनियों और कानूनी कार्रवाई के बावजूद थमने का नाम नहीं ले रही है। पदमी और आसपास के क्षेत्रों में एक बार फिर खेतों में आग लगाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुँच रहा है, बल्कि आसपास के किसानों की खड़ी फसलों और पेड़-पौधों पर भी संकट मंडरा रहा है।

हाल ही में पदमी और अमगवां क्षेत्र में नरवाई जलाने के मामले सामने आने पर प्रशासन ने मुस्तैदी दिखाई थी। एसडीएम स्तर से जांच कर कुछ दोषी किसानों की पहचान की गई थी और उन पर दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश भी जारी किए गए थे। बावजूद इसके, क्षेत्र के किसान फसल अवशेषों को नष्ट करने के लिए आग लगाने का आसान लेकिन खतरनाक रास्ता अपना रहे हैं। विगत दिवस पदमी के समीप कई खेतों में लगी आग तेजी से फैलती देखी गई, जिसे देख आसपास के ग्रामीण और किसान चिंतित हो उठे।

सख्त निगरानी की मांग

स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और कृषि विभाग से मांग की है कि केवल कागजी कार्रवाई के बजाय धरातल पर सख्त निगरानी रखी जाए। ग्रामीणों ने सुझाव दिया है कि कृषि विभाग फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आधुनिक मशीनों के उपयोग को बढ़ावा दे और बार-बार नियम तोड़ने वाले किसानों पर भारी जुर्माना लगाया जाए, जिससे आगजनी की इन घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सके।

पर्यावरण और मिट्टी की उर्वरता को नुकसान

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि नरवाई जलाने से मिट्टी के मित्र कीट नष्ट हो जाते हैं और जमीन की उपजाऊ शक्ति कम होती है। साथ ही, इससे निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बन रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार समझाइश के बाद भी कुछ लोग जानबूझकर आग लगा रहे हैं, जिससे आग की लपटें बेकाबू होकर दूसरे खेतों तक पहुँच रही हैं।

कार्यशाला

स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों की मिली जानकारी, उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मातृशक्ति का सम्मान

देवरी में महिलाओं ने सीखे डिजिटल साक्षरता के गुर

नारायणगंज। नारायणगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत देवरी में हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए एक दिवसीय डिजिटल साक्षरता एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के साथ-साथ उन्हें उनके कानूनी अधिकारों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने महिलाओं को कंप्यूटर की बुनियादी शिक्षा और डिजिटल साक्षरता के महत्व को समझाया। उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य, स्वच्छता और संतुलित पौष्टिक आहार के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

कानूनी सहायता और योजनाओं का प्रसार

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से पीएलवी शिखा श्रीवास्तव ने महिलाओं को नि:शुल्क विधिक सहायता, हिट एंड रन योजना, आशा योजना और पीड़ित प्रतिकर योजना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने टोल-फ्री नंबर 15100 और वन स्टॉप सेंटर की उपयोगिता बताते हुए घरेलू हिंसा से बचाव के कानूनी रास्तों के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही उपस्थित जनसमूह को यातायात नियमों के पालन की शपथ भी दिलाई गई।

प्रश्नोत्तरी में ममता और माया ने मारी बाजी

कार्यक्रम के समापन पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चर्चा के दौरान पूछे गए सवालों के सही जवाब देने पर श्रीमती ममता यादव एवं श्रीमती माया बाई झरिया को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

इस अवसर पर पंचायत सदस्य श्रीमती अनीता बर्मन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती कमला धुर्वे, सहायिका श्रीमती सुखिया बर्मन, बहुउद्देशीय कार्यकर्ता श्री हरिशंकर कछवाहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं और बालिकाएं उपस्थित रहीं।